द्वेष करनेवाले का जी नहीं भरता

प्र.१) किसने किससे कहा वह लिखो।

अ) द्वैतवन में कुछ बस्तिया है, जो हमारे अधीन है।
कर्ण ने दुर्योधन से कहा।

आ) "वत्स, कोई वर चाहो, तो माँग लो।"
महर्षि दुर्वासा ने दुर्योधन से कहा।

इ) तब तक भोजन तैयार करके रखो।
महर्षि दुर्वासा ने युधिष्ठिर और उसके भाईयों से कहा।

ई) "बहन कृष्णा, बड़ी भूख लगी है।
कृष्णा ने द्रौपदी से कहा।

उ) यह भोजन हो, इससे उनकी भूख मिट जाएगी।
श्रीकृष्ण ने मन मे कहा।

ऊ) भीम, जल्दी जाकर ऋषि दुर्वासा को शिष्यों समेत भोजन के लिए बुला लाओ।
कृष्णा ने भीम से कहा।

ए) हमारा तो पेट भरा हुआ है।
शिष्यों ने महर्षि दुर्वासा से कहा।

ऐ) हम सब तो भोजन कर चुके है।
ऋषि दुर्वासा ने भीमसेन से कहा।

प्र.२) दिए गए वाक्य सही है या गलत वह लिखो।

अ) पांडवों के वनवास के दिनों कई ब्राम्हण उनके आश्रम गए थे। — सही

आ) पांडव वन में सुख-सोई समवेत जी रहे थे। — गलत

इ) द्वैतवन की बस्तियाँ पांडवों की अधीन थी। — गलत

ई) दुर्योधन चाहता था की पांडव मुसीबत में पड़े। — सही

उ) दुर्योधन की अनुचरों की खबर गंधर्वराज के नौकरों ने ली। सही
ऊ) गंधर्वराज चित्रसेन को दुर्योधन ने पकड़ा गलत
ए) कौरव अपमानित होकर हस्तिनापुर लौटे सही
ऐ) महर्षि दुर्वासा दस हजार शिष्यों समवेत दुर्योधन के राजभवन पधारे। सही
ओ) श्रीकृष्ण ने द्रौपदी की चिंता दूर कर दी। सही
औ) महर्षि दुर्वासा पांडवों से निराश हो गए। गलत

प्र.उ) विलोम अर्थवाले शब्द लिखो।

अ) अधीन × पराधीन
आ) सम्मान × अपमान
इ) संतोष × असंतोष
ई) अनुमति × मनाई
उ) गंभीर × ओछा
ऊ) आसानी × कठिनाई
ए) प्रसन्न × दुःखी
ऐ) असुविधा × सुविधा
ओ) मुसिबत × आराम

प्र.ऊ) लिंग बदलो।

भाई - बहन
पंडित - पंडितायिन
आदमी - औरत
नौकर - नौकरानी
शिष्य - शिष्या
पिता - माता